

(1)

## संताली पारसी (साँवहेत) रैनाक फेडात काथा

होड़ पारसी रौड़ जोड़. होड़ के इारखोड बिहार, उड़ीसा, पद्विम बंगला, इराम पोनीव कोरै साँगे जे मेनाक बोना इार बंगलादेश, नेपाल दिसोमको रे हों साँगे जे मेनाक साकत बोना । संताली से होड़ पारसी रौरीड़ होड़को के जुदा जुदा टोठा से दिसोम कोरै मेनाक बोना रेहों पारसी के मित गोपा ।

होड़ पारसी के आस्टिक से आपनेप पारसी रैना: इाड़ काना मेनत को वातावाकादा । नोवा इाड़खि कोगे हो, मुडा, माहवी, इमान को साँव खुर सागाई पारसी कानते, नुऊ के सुपुतक बोपहा पारसी मेनत को वाडाप आम सामाना । नोवा पारसी को खि रौरीड़ होड़को के गोड़ी गोपीड़ी इार सोपोहीत काते आपन आपित पारसी इार साँवहेत केको हारा रकाप इकीभैत - डा ।

भारोव दिसोम रैनाक उत्रोर नाखा रैनाक पारसी को के संस्कृत पारसी खोन जे पाँगा इोमोन उरोडेक साकतना । ओना कोके हिन्दी, बंगला, उड़ीसा, इलामिपा, मारुठी, गुजराती, काश्मिरी, पंजाबी, राजस्थानी इार इमानको काना । नोवा को पारसी रैनाक खिब जाड. होड़को जोडलेन के होप, होमोड, मोरखोड दोड़े तेजे नुनाक किलाड़, नुरपाद, हारिमाड इार दिनाम जे धारसाओ: माजाओ साजाओक कन ते, नुना: चोरोक चोरोक इार रौरोख सादकारोके काना ।

(2)

नोवा को पारसी कोरे खान संस्कृत पारसी  
रेनाक आड़ा (शब्द) को खाना बाधक करते हानी  
सोडोक लेखन ओना पारसी साँवहत कोरे खोच  
लिखाड़ हार निधान उतारोक-भा। भारत रेनाक  
डोरखन नाखा रेनाक पारसी तामिल, तेलगु, मलयालम,  
कन्नड़ पारसी कोरे ड्वीड आड़ रेनाक पारसी  
काना। मैनदा नोवा को पारसी रे ही संस्कृत  
पारसी रेनाड, ओरसोड, दो बेस लैका बाजाव  
आकाना हार ओना तैगे संस्कृत पारसी रेनाक  
ओरसोड, दो बेस लैका बाजाव आकाना हार ओना  
तैगे संस्कृत पारसी रेनाक आरी-चावी, वीणा-बुद्ध,  
दो बेस लैका तैगे को अपनार आकादा हार  
ओना तैगे आकादाक पारसी दो आडी चेतान धार  
रेको इदी सैटर आकादा।

आरसोड रे संताली हार मैथली पारसी  
किन दो मारेना: पारसी काना। नोवा इदीकारे  
मित् वार अनोलीला कोरे तुलजासा कारे को  
जेल आकादा। उनको मुद रे डॉ विद्यानाथ हार  
'विदित' दो 'संताली मैथली तुलनात्मक अध्ययन'  
हार डोमन साहू समीर दो 'संताली-हिंदी तुलनात्मक  
अध्ययन' शोध उील कारे दिसोम होड़ डेन किन  
पासनावाकादा। वाना होड़ जे नोवा संताली पारसी  
दो रटाक पारसी को साँव सुर सागाई जेमोदख  
मेनाक-डा। साबाद को दो मित् लेखन गेधा।



मैन जानीक-आ भाषात (वाक्य) कौदो आपान  
 आपिन पारसी रैभाक निधाम से व्पाकरण लैकारे गे  
 भाषुर से खुतुक इदिक काना । मितटाड, पारसी खोन आर  
 मितटाड, पारसी के व्पाकरण रैभाक निधाम ये भारी  
 होतें तेंगे मंगार गोदोक-आ । नौवा को उपहार दोहोकाः  
 मा जे खटाः पारसी रैभाक सखाद को रंनखी होइ पारसी  
 रे वौवो लैखान पारसी के व्पाप विधाडोक-आ वौरोड.  
 यो हारा राकाप् दंडेभाक-आ । पारसी रैनाः हानारा से  
 उपनाव लागित ते सुर साडगे रे मैनाक सटाक पारसी  
 आर रोरोइ होइ गँहेन के साडी लान्नी काना । जेमोन  
 दरे गण्डाड रेंगे दरे नाडी को के लोगोन हाराक-आ ।  
 दरे नाडी के अतीत खोनाः रासाध आम लैखान  
 सागीनीक-आ आर लैगीच - लैगीच जैलोक-आ । औनका  
 गे पारसी हीं मानमी कोवाक भारी चाबी, वाक्यार,  
 खोन गे जामा सिखिल सोडोम रासा आर कावाकोदो ।

मानमी के जेम जु, कारे जिवित् खोन गँहेना  
 जोना सौवते लुगडी वापो, खैरोक बौदे कारे होइमो बोन  
 द्वापाव आर देश से दिसवा कोवाक तखरें सामाडो विद्वान  
 के उम, औजोक, आरसी नाकिच कारे नापाध-नापाध  
 होनरीः को खैरोक कारेबोन खैनीक काना । औने जोनका  
 गे पारसी हीं देश आर दिसोम सौवता तखारें, बिना  
 साजाव, सापडाव कारे वाबोन सामाड. सोदौरा । रंनखान  
 लैकलीक काना, औनोखिधा, औनोडहिधा, रौनोडिधा, आर  
 कावा गण्डानिधा कोवाक सोदोत् गोडो तेंगे निफुट रंनखी  
 सौवहेत रैभाक हारा-खुरा के जेव जामोक-आ । गुनार रे

(4)

मैना जानाक - डा, जाहॉलिन हाविच भाबोवाक  
रोनोड पुची संस्कृत पारसी डाड रेनाक पारसी  
कोरे मैनाक लैकानाक द्यातु रूप, शब्द रूप,  
आपान रूप, उच्चारण रूप, उच्चारण साधन,  
आपान रं विचार को, और्वो विचार रेनाक फेडात  
कावा कोबोन जाम लुदा उन और्वो जी  
संगली पारसी सांवेत दो किराडोक - डा डाक  
सांवेत रेनाक चैतान धार रं आपगा बोन  
आमेटा ।